__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date - Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग - 6
पाठ - 10 बालक चंद्रगुप्त

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य का है। आपको इस पाठ में पाठ - 10 'बालक चंद्रगुप्त' के बारे में समझाया जाएगा। यह पाठ आपको 3। अक्तूबर को भेजा जाएगा।

बच्चो! यह पाठ 'बालक चंद्रगुप्त' जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखा गया है। यह पाठ महान राजा चंद्रगुप्त और उसके गुरु चाणक्य की कहानी अचरज और रोमांच से भरी है। आज से हज़ारों वर्ष पहले एक साधारण बालक चंद्रगुप्त महान राजा कैसे बन गया, इसकी शुरुआती झलक हमें इस कहानी से मिलती है।

बच्चो! पाठ के बारे में समझने से पहले हम इस पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझेंगे।

- पाटलिपुत्र - बिहार राज्य की राजधानी पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। गंगा नदी के किनारे बसे इस शहर को लगभग 2400 वर्ष पहले पाटलिपुत्र के नाम से जाना जाता था।
- मगध - मगध प्राचीन भारत का एक राज्य था। इसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी।

Scanned with CamScanner

Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

- **महापद्म नंद** - महापद्म नंद प्राचीन भारत का एक सम्राट था। यह लगभग 2400 वर्ष पहले मगध में राज करता था।
- **चंद्रगुप्त** - चंद्रगुप्त मौर्य प्राचीन भारत के सम्राट थे लगभग पूरे भारत पर इनका राज था।
- **चाणक्य** - वे चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु और महामंत्री थे। उन्होंने नंदवंश का नाश करके चंद्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था।

बच्चो! पाटलिपुत्र में मौर्य- सेनापति का एक साधारण सा घर था। उस समय महापद्म नंद और उनके पुत्रों के अत्याचार से मगध काँप रहा था। नंद ने मौर्य सेनापति को बंदी बना रखा था, जिसके कारण उसके पूरे परिवार का जीवन कष्ट से बीत रहा था। एक दिन सेनापति के घर के सामने एक बच्चा खेल रहा था। वह राजा बना था और बाकी सारे लड़के उसकी प्रजा बने थे। उन्हीं लड़कों में से वह किसी को घोड़ा और किसी को हाथी बनाकर चढ़ता और दंड तथा पुरस्कार आदि देने का राजा का अभिनय कर रहा था। वहाँ से चाणक्य निकल रहे थे। उन्होंने उस बालक को राजक्रीड़ा करते हुए देखा। उसके मन में जिज्ञासा भी हो रही थी और खुशी भी। उन्होंने उस बालक के पास जाकर कहा - "राजन, मुझे दूध पीने के लिए गोधराज चाहिए।"

बालक ने एक राजा की भाँति बहुत उदारता

__/__/____

Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page- 3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

से कहा, "सामने चरती हुई गौओं में से जितनी इच्छा हो, तुम ले लो।"
चाणक्य बालक की बात सुनकर हँसते हुए कहते हैं- "राजन, ये जिसकी गायें हैं, वह मारने लगे तो?"
बालक ने छाती फुलाकर कहा- "किसका साहस है जो मेरे शासन को न माने? जब मैं राजा हूँ, तब मेरी आज्ञा अवश्य मानी जाएगी।
चाणक्य ने आश्चर्यपूर्वक बालक से पूछा- "राजन, आपका शुभ नाम क्या है?"
इतने में बालक की माँ वहाँ आ जाती है और चाणक्य से हाथ जोड़कर बोली- "महाराज, यह बड़ा घमंडी लड़का है, इसके किसी भी अपराध पर ध्यान न दीजिएगा।
चाणक्य ने बड़े आदर से कहा- "कोई चिंता नहीं, यह बड़ा होनहार बालक है। इसकी मानसिक उन्नति के लिए तुम इसे किसी प्रकार राजकुल में भेजा करो।"

बच्चो! आज हम यहीं तक पाठ करेंगे। अब मैं आपसे कुछ अभ्यास के प्रश्न पूछूँगी, जिनके उत्तर आप अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1. 'बालक चंद्रगुप्त' के लेखक का क्या नाम है?
प्रश्न-2. मगध के राजा का क्या नाम था?
प्रश्न-3. मौर्य सेनापति के घर के आगे से कौन निकल रहा था?
प्रश्न-4. चाणक्य ने बच्चे से क्या माँगा?

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class - VI
Subject- Hindi Literature Page - 4
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

प्रश्न - 5. "राजन, आपका शुभ नाम क्या है ?"
यह शब्द किसने - किससे कहे ?

बच्चो ! अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी, जिनका आप अपने उत्तरों के साथ मिलान करेंगे।

उत्तर - 1. जयशंकर प्रसाद
उत्तर - 2. महापद्म नंद
उत्तर - 3. चाणक्य
उत्तर - 4. दूध पीने के लिए गाय
उत्तर - 5 यह शब्द चाणक्य ने बालक से कहे।

गृह कार्य :-

* बच्चो ! आप इस पाठ के पृष्ठ - 80 पर आए शब्द - अर्थ लिखेंगे एवं याद करेंगे।
* आप इस पाठ के संक्षेप में के प्रश्न करने की कोशिश करेंगे।

धन्यवाद !

Last page.

Scanned with CamScanner